एनडीडीबी के प्रयासों से झारखंड में डेरी फार्मिंग को मजबूती मिली और ग्रामीण दूध उत्पादकों को लाभकारी मूल्य की प्राप्ति सुनिश्चित हुई

झारखंड सरकार के अनुरोध पर एनडीडीबी ने 2014 में झारखंड दूध महासंघ के प्रबंधन को संभाला। 5 वर्ष की अवधि तक इस महासंघ को प्रबंधित करने हेतु 1 मार्च 2014 को एनडीडीबी एवं झारखंड सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए । एनडीडीबी द्वारा प्रबंधित झारखंड दूध महासंघ (जेएमएफ) ने झारखंड के दूध उत्पादकों को संगठित दूध प्रसंस्करण क्षेत्र की व्यापक पहुंच उपलब्ध कराने के लिए निष्पक्ष एवं गुणवत्ता पर आधारित दूध संकलन प्रणाली उपलब्ध कराई है।

एनडीडीबी की सक्रिय भूमिका से डेरी उद्योग को मजबूती मिली है और झारखंड के दूध उत्पादकों को लाभकारी मूल्य की प्राप्ति सुनिश्चित हुई है । एनडीडीबी द्वारा शुरू किए गए अभिनव उपायों से इस बात की गारंटी है कि झारखंड के शहरी क्षेत्रों से प्राप्त धनराशि ग्रामीण क्षेत्रों में भेजी जाएगी जिसके द्वारा डेरी के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण सुधार लाया जा सकेगा।

एनडीडीबी ने होटवार में एक लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता का अत्याधुनिक डेरी संयंत्र डिजाइन कर चालू किया, जो रांची के उत्पादकों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है । जेएमएफ द्वारा मदर डेरी – मेधा एवं मेधा ब्रांड के अंतर्गत बेचे जाने वाले दूध एवं दूध के सभी उत्पाद सभी गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरते हैं ।

आज, जेएमएफ के पास 300 से अधिक डीपीएमसीयू एवं 80 एएमसीयू का नेटवर्क है । इसने 80 बल्क मिल्क कूलरों के साथ ही रांची, लातेहार, देवघर और कोडरमा में 4 डेरी संयंत्रों की स्थापना की है । 1 लाख लीटर प्रतिदिन प्रसंस्करण क्षमता का होटवार संयंत्र, धनबाद, हजारीबाग, रांची, जमशेदपुर, चत्रा एवं बोकारो में आवश्यकताओं की पूर्ति करता है । कोडरमा डेरी संयंत्र 10 हजार लीटर प्रतिदिन दूध का प्रसंस्करण करता है और यह कोडरमा, गिरिडीह एवं नवादा (बिहार) को कवर करता है । 25 हजार लीटर प्रतिदिन की क्षमता का देवघर डेरी संयंत्र भागलपुर, देवघर, दुमका, गोडा, जामतारा, जमुई, बांका (बिहार) को कवर करता है । 10 हजार लीटर प्रतिदिन प्रसंस्करण क्षमता की लातेहार डेरी लोहारदगा, लातेहार, पलामु एवं गढवा की आवश्यकताओं की पूर्ति करती है ।

एनडीडीबी के मार्गदर्शन में जेएमएफ ने 565 दूध पूलिंग प्वाइंटों से लगभग 135 हजार किग्रा प्रतिदिन के औसत से दैनिक दूध संकलन को हासिल किया है, जिसमें 20,000 से अधिक दूध उत्पादक शामिल हैं । दूध की बिक्री 85 हलीप्रदि के स्तर पर पहुंच गई है । 2018-19 के दौरान किसानों को औसत मूल्य लगभग ₹28 प्रति किग्रा का भुगतान किया गया और दूध का कुल प्रदत्त मूल्य लगभग ₹115 करोड़ है । 2014-15 के दौरान (जेएमएफ के प्रथम वर्ष में) इसका वार्षिक कारोबार लगभग ₹22 करोड़ था, जो 2018-19 में बढ़कर लगभग ₹158 करोड़ हुआ।

रांची में ₹7.15 करोड़ की लागत का एक आधुनिक पशु चारा संयंत्र स्थापित किया गया है, जो एक महीने में 50 मी.टन मिश्रित पशु आहार का निर्माण कर सकता है । इस संयंत्र में निर्मित पशु आहार बायपास प्रोटीन का एक महत्वपूर्ण स्रोत है और यह 100% यूरिया से मुक्त है। इनमें चीलेटिड खनिज मिश्रण के साथ-साथ अधिक जैव-उपलब्धता वाले मैक्रो एवं माइक्रो तत्व भी उपलब्ध होते हैं । इस पशु आहार से गायों में पोषण संबंधी समस्याओं का समाधान होगा और गुणवत्ता युक्त दूध उत्पादन सुनिश्चित होगा ।